दिल्ली पब्लिक स्कूल
सेल टाउनशिप, राँची
वार्षिक परीक्षा (2017-18)

कक्षा– आठवीं | विषय–हिन्दी

समय–2½ घंटे | अधिकतम अंक : 80

खण्ड–क

प्र0 1 निम्नलिखित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः

बहुत प्राचीन कथा है – सगर अयोध्या के सूर्यवंषी राजा थे, बड़े धर्मात्मा और उदार। प्रजा के सुख–चैन का सदा ध्यान रखते थे। उनके साठ हजार पुत्र थे। एक बार राजा सगर ने सौ अष्वमेघ यज्ञ करने की प्रतिज्ञा की। निन्यानवे यज्ञ पूर्ण हो गए। यज्ञ का घोड़ा छोड़ा गया। इन्द्र ने सोचा–यदि यज्ञ भी पूरा हो गया तो सगर इन्द्र बन जाएंगे। बस इन्द्र ने घोड़ा चुरा लिया।

सगर के पुत्र घोड़े को धरती पर खोजकर हार गए। खोज करते–करते पाताल पहुँचे। वहाँ उन्हें एक सुंदर–सा आश्रम दिखाई दिया– जो कपिल मुनि का आश्रम था। आश्रम में एक वृक्ष से अष्वमेघ का घोड़ा बँधा था। सगर के पुत्रों को संदेह हुआ कि घोड़ा मुनि ने चुराया है।

उन्होंने कपिल मुनि से पूछा। कपिल मुनि सहज भाव से बोल–''घोड़ा यहाँ कौन बाँध गया है, मैं नहीं जानता।'' सगर के पुत्र इस उत्तर से आग बबूला हो उठे। कपिल मुनि पर तरह–तरह के आरोप लगाने लगे। इस पर कपिल मुनि बहुत क्रोधित हुए। सगर के पुत्रों को षाप देते हुए बोले– '' तुमने अग्नि के अवतार पर चोरी का लांछन लगाया है। तुम सब भस्म हो जाओ।'' यह कहना था कि एक ज्वाला उठी और राजा सगर के सभी पुत्र जलकर भस्म हो गए। कई पीढ़ियों के बाद उसी वंष में भगीरथ हुए। उन्होंने अपने पुरखों की दुर्दषा की कहानी सुनी। प्रण किया कि स्वर्ग से गंगा लाएँगे। उसके जल से पुरखों का उद्धार करेंगे। स्वर्ग की नदी की खोज भगीरथ ने की परंतु उसे धरती पर लाना संभव नहीं था। फिर भी अपने कठोर परिश्रम और सूझबूझ से गंगा को पहाड़ों से मैदान में लाने में सफल हुए। अतः इसे भागीरथी भी कहते हैं।

भगीरथ को ऐसे बलवान की आवष्यकता थी, जो गिरती हुई गंगा का वेग संभाल सके। भगीरथ ने सोचा – ऐसी सामर्थ्य भगवान षंकर के अतिरिक्त किसी में नहीं है।

(i) राजा सगर कौन थे? उन्होंने घोड़ा क्यों छोड़ा? **[2]**

(ii) इन्द्र ने घोड़ा क्यों चुराया और उसका क्या किया? **[2]**

(iii) कपिल मुनि ने किसे और क्या षाप दिया? **[2]**

(iv) राजा भगीरथ ने क्या व्रत लिया और क्यों? **[2]**

(iv) गंगा का वेग कौन संभाल सका? **[1]**

प्र0 2 निम्नलिखित काव्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः

संकटों से वीर घबराते नहीं
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।

हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरि ंग ऊपर चढ़ चले।

कठिन पथ को देख मुसकाते सदा,
संकटों के बीच गाते–सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,
सरल, संभव कर दिखाते वे सदा

यह'असंभव' कायरों का षब्द है।
कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ जिंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन, औ' षक्ति बिन।

(i) कविता में वीरों की किन विषेषताओं पर बल दिया गया है? **[2]**

(ii) कर्मवीरों को किस बात से कोई लेना–देना नहीं होता? **[1]**

(iii) नेपोलियन ने एक दिन क्या कहा था? **[2]**

(iv) उपर्युक्त काव्यांष का एक उपयुक्त षीर्षक लिखिए। **[1]**

खण्ड–ख

प्र0 3 **(i)** हिन्दी भाषा का महत्व लिखिए। **[2]**

(ii) अधोलिखित भाषाओं की लिपियाँ लिखिएः

हिन्दी, पंजाबी **[1]**

(iii) दिए गए अनेक षब्दों के लिए एक षब्द लिखिएः

जिसका आकार न हो, जो आसानी से मिले। **[1]**

(iv) यौगिक और योग रूढ़ षब्द में अंतर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

(v) निम्नलिखित षब्दों में उचित स्थान पर बिंदु एवं चंद्रबिन्दु लगाकर षब्द फिर से लिखिएः **[1]**

आतक, बासुरी

(vi) निम्नलिखित षब्दों में से किसी एक का दो पर्यायवाची षब्द लिखिएः **[1]**

उपवन अथवा इच्छा

(vii) निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिएः **[1]**

अंधों में काना राजा, घर का भेदी लंका ढाए।

(viii) निम्नलिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाइएः **[1]**

देख रहा हूँ धूपबत्ती झलमल जल रही
है और मेरी कोठरी उसकी भीनी सुगंध से भरी है

खण्ड–ग

प्र0 4 निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1x4=4]**

(i) लेखिका के बंगले पर गौरा का स्वागत –सत्कार कैसे किया गया?

(ii) मधुर वचन को वषीकरण यंत्र क्यों कहा गया है?

(iii) प्रेमचंद जी की प्रमुख रचनाओं में से किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(iv) पंचायत कब और कहाँ बैठी थी?

प्र0 5 निम्नलिखित पठित गद्यांष को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1x4=4]**

अब वह उठ नहीं पाती थी, परंतु मेरे पास पहुँचाते ही उसकी आँखों में प्रसन्नता की छाया–सी तैरने लगती थी। पास जाकर बैठने पर वह मेरे कंधे पर अपना मुख रख देती थी और खुरदरी जीभ से मेरी गर्दन चाटने लगती थी।

(i) प्रस्तुत पंक्तियाँ किस पाठ से संकलित हैं?

(ii) किसकी आँखों में प्रसन्नता की छाया–सी तैरने लगती थी?

(iii) किसके कंधे पर तथा क्यों अपना मुख रख देती थी?

(iv) खुरदरी जीभ से चाटना किस भाव को दर्षाता है?

प्र0 6 निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[2x4=8]**

(i) विपत्ति के समय साथ देने वाले गुण कौन–कौन से हैं?

(ii) अजन्मी बच्ची घर के सन्नाटे को कैसे तोड़ना चाहती है? क्या यह सन्नाटा माँ के भीतर का सन्नाटा भी है? यदि हाँ तो क्यों?

(iii) पहले घरों की दीवारों पर किनके चित्र टँगे रहते थे? आज उनका स्थान किसने लिया है और क्यों?

(iv) लघु अंडमान में रहने वाले' आदिवासी' क्या कहलाते हैं? दक्षिण और मध्य अंडमान में किस जाति के लोग रहते हैं?

प्र0 7 अधोलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिएः **[2x2=4]**

(i) राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस।
बरषत बारिद बूँद गहि, चाहत चढ़न अकास।।

(ii) वह तोड़ती पत्थर

देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर

वह तोड़ती पत्थर।

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

ष्याम तन, भर बँधा यौवन।

प्र 0 8 निम्नलिखित मूल्य परक प्रष्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिएः **[2x2=4]**

(i) स्कूल के उस अध्यापक के व्यक्तित्व के किन–किन गुणों ने आपको प्रभावित किया? क्या आप इन गुणों मे से कोई एक गुण अपनाना चाहेंगे? लिखिए।

(ii) देष भक्ति की लहर जगाने में राष्ट्रीय नेताओं के कलेंडरों की क्या भूमिका रही थी?

(iii) राजनैतिक लोगों और फिल्मी हीरो–हीरोइनों में से आप किनके कलेंडर लगाना पसंद करेंगे? और क्यों?

प्र0 9 निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रष्नों में से किन्हीं तीन प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[3x3=9]**

(i) 'श्रम में ही सुख है' विषय पर एक छोटा अनुच्छेद लिखिए।

(ii) लड़की माँ को क्या–क्या आष्वासन दे रही है? क्यों?

(iii) अलगू , जुम्मन और खाला में से कौन सा पात्र तुम्हें अच्छा लगा और क्यों?

(iv) खाला के अंदर कौन–सी ताकत थी कि न तो वह डरती थी और न ही अलगू को डरने दिया?

प्र0 10 गाँव की स्त्रियों ने अपने कीमती गहने देकर स्वयं को धन्य क्यों माना? **[2]**

प्र0 11 मधुकलष पाठ्य पुस्तक के आधार पर अधोलिखित प्रष्नों के उत्तर लिखिएः **[1x5=5]**

(i) लकड़हारा बहू को घर क्यों नहीं लाना चाहता था?

(ii) सामने से मोटर आने पर बालक अपने आप को क्यों नहीं बचा सका?

(iii) मतिलदा कैसा जीवन जीना चाहती थी?

(iv) संन्यासी ने राजकुमार को क्या षिक्षा दी?

(v) विभाजन घोषित हो जाने के बाद पंजाब की दषा कैसी हो गई?

खण्ड–घ

प्र0 12 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80 से 100 षब्दों में अनुच्छेद लिखिएः **[5x1=5]**

(i) दीपावली–परिचय, वर्णन, महत्व।

(ii) परीक्षा का प्रथम दिन–भूमिका, वर्णन, उपसंहार।

(iii) विद्यालय का वार्षिकोत्सव कब मनाया गया, वर्णन, निष्कर्ष

प्र0 13 अपने क्षेत्र की टूटी सड़कों की षिकायत करते हुए नगर निगम अधिकारी को पत्र लिखिए। **[5]**

प्र0 14 नए मोबाइल फोन हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[5]**

अथवा

आपको विद्यालय के खेल के मैदान में एक घड़ी मिली है। इस सबंध में विद्यालय के सूचना पट के लिए एक सूचना लिखिए।